मेरे मात पिता गुरु बंधु | By Pt Bihari Lal Pujari |

आचार्य सुदर्शन गुरुवर सा
मैं धरूँ आपका ध्यान
दो ऐसा वरदान मुझे मैं
करूँ आपका गुणगान

मेरे मात पिता गुरु बंधु
मेरी कश्ती किनारा तुम ही हो
झूठे झूठे हैं झूठे सारे रिश्ते
मेरा सच्चा सहारा तुम ही हो

मेरे भगवान हो तुम तो कृपालु
सच सच कहता हूँ दयालु
मेरे दिल के जले मरुस्थल में
गंगा यमुना की धारा तुम ही हो

मेरा फ़र्ज़ है गुरु के चरण में
मुझको रखना सदा ही शरण में
तेरे बिना नहीं कोई यहाँ मेरा
मेरा संसार सारा तुम ही हो

तुमसे महके सदा धर्म उपवन
तुमसे संसार सारा है रौशन
कर दे अमावस को उजियाली पूनम
वो चमकता डोटारा तुम ही हो

मेरे मात पिता, गुरु, बंधु
मेरी कश्ती किनारा तुम ही हो
झूठे झूठे हैं झूठे सारे रिश्ते
मेरा सच्चा सहारा तुम ही हो

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%a4-%e0%a4%aa%e0%a4%bf%e0%a4%a4%e0%a4%be-%e0%a4%97%e0%a5%81%e0%a4%b0%e0%a5%81-%e0%a4%ac%e0%a4%82%e0%a4%a7%e0%a5%81-by-pt-bihari-lal-pujar/